खबर संक्षेप

मंडला पुलिस में आयोजित हुआ "कुशल प्रबंधन" एवं स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान

मण्डला। पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में जिला पुलिस बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए "कुशल प्रबंधन" विषय पर विशेष जागरूकता एवं स्वास्थ्य व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. रमेश टेवानी (आरोग्यं केंद्र, भोपाल) ने प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति, स्वस्थ जीवनशैली, तनाव प्रबंधन, नशामुक्त जीवन एवं प्राकृतिक उपचार के महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि आधुनिक जीवनशैली से उत्पन्न अनेक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, योग, व्यायाम एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से संभव है। डॉ. टेवानी ने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सकारात्मक सोच, अनुशासित जीवनशैली एवं तनाव पर नियंत्रण व्यक्ति की कार्यक्षमता और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं। व्याख्यान के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्य के दबाव के बीच मानसिक संतुलन बनाए रखने, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करने तथा सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के संबंध में उपयोगी सुझाव दिए गए। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर चर्चा की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

कलेक्टर ने परखी आपदा प्रबंधन की व्यवस्थाएँ

मॉक ड्रिल और संयुक्त अभ्यास के निर्देश

*** उपकरणों और संचार प्रणाली का किया निरीक्षण।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

आगामी मानसून को देखते हुए जिले में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने मंगलवार को एसडीईआरएफ (स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पांस फोर्स) सेंटर का निरीक्षण कर वर्षा पूर्व तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कंट्रोल रूम, संचार व्यवस्था एवं रेस्क्यू उपकरणों का बारीकी से निरीक्षण करते हुए अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

डिप्टी कमांडेंट एसडीईआरएफ हेमराज परस्ते ने बताया कि मानसून के दौरान संभावित आपात स्थितियों से निपटने के लिए रेस्क्यू बोट, लाइफ जैकेट, रस्सियां, टॉर्च, कटिंग टूल्स तथा डाइविंग किट सहित सभी आवश्यक उपकरणों की जांच एवं रखरखाव का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। साथ ही कंट्रोल रूम में वायरलेस सेट, सैटेलाइट फोन और वीएचएफ संचार प्रणाली को 24 घंटे सक्रिय रखा गया है, ताकि किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि जीपीएस और डिजिटल मैपिंग तकनीक के माध्यम से जिले के बाढ़ संभावित क्षेत्रों की पहचान कर ली गई है तथा एसडीईआरएफ की टीमें अलर्ट मोड पर रखी गई हैं। आवश्यकता पड़ने पर त्वरित रेस्क्यू और राहत कार्य किए जा सकें, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ की गई हैं।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने निर्देश दिए कि सभी उपकरणों की नियमित फील्ड टेस्टिंग कर उनकी कार्यशीलता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निचले इलाकों एवं नदी किनारे स्थित गांवों में मॉक ड्रिल आयोजित कर नागरिकों को सुरक्षित निकासी एवं आपदा के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों की जानकारी देने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि बारिश के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों में समय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए तकनीकी संसाधनों के साथ-साथ टीमों की तत्परता और समन्वय भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने मौसम विभाग एवं जिला कंट्रोल रूम के साथ सतत समन्वय बनाए रखते हुए अलर्ट सिस्टम को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री धोटे ने एसडीईआरएफ, राजस्व, पुलिस तथा स्वास्थ्य विभाग के बीच संयुक्त अभ्यास आयोजित करने पर भी जोर दिया, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में सभी विभाग बेहतर समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई कर सकें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, सहायक कलेक्टर शैलेंद्र चौधरी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम राइज विद्यालयों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखने के आदेशों पर उठे सवाल

कार्यालय, आयुक्त जनजातीय कार्य
मध्यप्रदेश भोपाल

*** मंडला जिले में अधिकारियों-कर्मचारियों को अतिरिक्त प्रभार दिए जाने से आदेशों के पालन पर चर्चा तेज।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के उद्देश्य से स्थापित सीएम राइज विद्यालयों को गैर-शैक्षणिक गतिविधियों एवं बाह्य कार्यों से मुक्त रखने के लिए आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, भोपाल द्वारा पूर्व में स्पष्ट निर्देश जारी किए गए थे। विभागीय आदेश क्रमांक शि . शा . / सी . ए म . राईज/2022/23796 दिनांक 10 नवंबर 2022 में कहा गया था कि सीएम राइज विद्यालयों के भवन, परिसर एवं स्टाफ का उपयोग विभिन्न परीक्षाओं, मूल्यांकन कार्यों, बीएलओ ड्यूटी तथा अन्य गैर-शैक्षणिक कार्यों में नहीं किया जाए, ताकि विद्यालयों का पूरा ध्यान शैक्षणिक गतिविधियों पर केंद्रित रह सके।

आदेश में यह भी उल्लेख किया गया था कि सीएम राइज विद्यालयों को बोर्ड परीक्षाओं, डीएलएड परीक्षाओं एवं अन्य बाह्य परीक्षाओं के केंद्र के रूप में उपयोग नहीं किया जाए तथा विद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों को मूल्यांकन एवं अन्य प्रशासनिक कार्यों से मुक्त रखा जाए।

इधर मंडला जिले में इन आदेशों के पालन को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुछ सीएम राइज विद्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी अन्य कार्यालयों के अतिरिक्त प्रभारों का निर्वहन कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या विभाग द्वारा जारी निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जा रहा है।

शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि सीएम राइज विद्यालयों को उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थानों के रूप में विकसित करना है, तो उनके स्टाफ को अतिरिक्त प्रशासनिक एवं गैर-शैक्षणिक दायित्वों से मुक्त रखा जाना आवश्यक है। वहीं इस विषय पर विभागीय स्तर पर स्पष्ट स्थिति सामने आने की प्रतीक्षा की जा रही है।

फिलहाल जिले में सीएम राइज विद्यालयों से जुड़े आदेशों के क्रियान्वयन को लेकर चर्चा बनी हुई है और लोग यह जानना चाहते हैं कि संबंधित निर्देशों का वास्तविक पालन किस स्तर तक सुनिश्चित किया जा रहा है।

करंजिया एवं मांझीपुर के दर्जनों ग्रामीणों ने ग्रहण की कांग्रेस सदस्यता

*** ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया द्वारा संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत समीक्षा एवं सत्यापन बैठक आयोजित।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार संगठन को मजबूत, सक्रिय एवं जनाधारयुक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित संगठन सृजन अभियान-2026 के अंतर्गत आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया द्वारा ब्लॉक, शहर, मंडलम, पंचायत, वार्ड कमेटी एवं बीएलए-2 की समीक्षा एवं सत्यापन बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले एवं विधानसभा प्रभारी श्री द्रुप किशोर मरावी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने संगठन के विभिन्न स्तरों पर गठित समितियों की समीक्षा करते हुए आगामी संगठनात्मक गतिविधियों, सदस्यता विस्तार अभियान एवं बूथ स्तर तक कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया द्वारा उपस्थित समस्त पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं कांग्रेसजनों का कांग्रेस गमछा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर करंजिया एवं मांझीपुर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों एवं ग्रामीणों ने कांग्रेस पार्टी की विचारधारा, नीतियों एवं जनहितकारी कार्यों से प्रभावित होकर दर्जनों की संख्या में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी नेताओं ने नवसदस्यों का स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके जुड़ने से संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया के अध्यक्ष श्री प्रदीप गोस्वामी ने की। बैठक में प्रमुख रूप से श्री जोश सिंह ठाकुर, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शकुना उईके, रागनी परते, मेवा धुर्वे, सरिता उईके, नारायणी साहू, त्रिवेणी तेकाम, संतोषी मोगरे, अशोक ज्योतिषी, झुन्ना ठाकुर, टेकराम राय, अरुण पांडे, अक्षत झारिया, रतन पंद्रे, ज्ञानी मरावी, श्याम मरावी, घनश्याम अहिरवार, शिवकुमार चौधरी, जागृत मरावी सहित समस्त बीएलए, पंचायत अध्यक्ष, मंडलम अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राहत | **मरम्मत कार्य शुरू होने पर ग्रामीणों ने जताई खुशी।**

15 वर्षों बाद स्कूल भवन का होगा कायाकल्प

*** जर्जर भवन में पढ़ने को मजबूर थे छात्र।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

विकासखंड मण्डला अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलपुरा के पोषक ग्राम बुजबुजिया में लगभग 10-12 वर्षों से जर्जर पड़े प्राथमिक विद्यालय भवन के मरम्मत कार्य की शुरुआत होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। भवन की खराब स्थिति के कारण विद्यालय का संचालन कभी आंगनबाड़ी केंद्र, कभी निजी मकानों तो कभी अस्थायी झोपड़ियों में करना पड़ रहा था, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी।

विद्यालय भवन की मरम्मत की मांग को लेकर ग्राम पंचायत सरपंच नरेश मार्को द्वारा जिला प्रशासन, विधायक एवं सांसद सहित विभिन्न स्तरों पर लगातार प्रयास किए गए। साथ ही मीडिया के माध्यम से भी इस समस्या को प्रमुखता से उठाया गया, जिसके बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया।

जिला शिक्षा केंद्र के डीपीसी कुलदीप कठल ने पदभार ग्रहण करने के बाद भवन की स्थिति का संज्ञान लेते हुए कलेक्टर के मार्गदर्शन में मरम्मत प्रस्ताव तैयार कर राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल भेजा। स्वीकृति मिलने के बाद कार्य की जिम्मेदारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) विभाग को सौंपी गई। इस प्रक्रिया में उपयंत्री आकाश सनोडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आरईएस विभाग द्वारा मरम्मत कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार जून माह के अंत तक कार्य पूर्ण होने की संभावना है, जिससे जुलाई से शुरू होने वाले नए शैक्षणिक सत्र में बच्चे अपने विद्यालय भवन में ही अध्ययन कर सकेंगे।

मरम्मत कार्य शुरू होने पर सरपंच नरेश मार्को एवं ग्रामवासियों ने जिला कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे का आभार व्यक्त किया है। वहीं डीपीसी कुलदीप कठल, एसडीओ सुरेन्द्र यादव, उपयंत्री आकाश सनोडिया तथा संबंधित अधिकारियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया है।

ग्रामीणों का कहना है कि जर्जर भवन के कारण बच्चों की सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी। अब भवन के कायाकल्प की दिशा में कार्य शुरू होने से अभिभावकों और विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिली है। ग्रामीणों ने प्रशासन से कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराने की मांग की है, ताकि नए सत्र में बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

इनका कहना है -

बुजबुजिया स्कूल भवन के मरम्मत कार्य प्रारंभ होने से वर्षों पुरानी समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा है। इसके लिए ग्राम पंचायत जिला प्रशासन, जिला शिक्षा केन्द्र एवं मीडिया का आभार व्यक्त करती है। मरम्मत कार्य से बच्चों के लिए सुरक्षित एवं बेहतर अध्ययन वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। हालांकि क्षेत्र की आवश्यकता को देखते हुए यहां एक नवीन स्कूल भवन की स्वीकृति भी शीघ्र प्रदान की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सके। वर्तमान में मरम्मत कार्य प्रारंभ होना निश्चित रूप से सराहनीय एवं स्वागतयोग्य पहल है।

— नरेश मार्को, सरपंच, ग्राम पंचायत सिलपुरा, जिला मण्डला

खबर संक्षेप

आरक्षक झा को गुम इंसान की खोजबीन की सफलता पर मिला साप्ताहिक पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज/चीचली। पुलिस विभाग में किसी भी अधिकारी व कर्मचारी को जब बडे अधिकारियों द्वारा मंच के माध्यम से सम्मानित किया जाता है तो निश्चित तौर से उनकी कार्य करने की शैली में निखार आने के साथ साथ अपने दायित्वों के प्रति निष्ठा बढ़ने से नही चूकती है। इसीके चलते जिला पुलिस अधीक्षक डा ऋषिकेश मीना द्वारा अपनी टीम के सदस्यों को हर सप्ताह उनकी कार्य कुशलता के चलते प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाता है। इस तरह पुलिस कर्मियों का मनोबल बढ़ाने एवं उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस बल की कार्यकुशलता एवं निष्ठा ही कानून व्यवस्था की मजबूत आधारशिला है। ऐसे पुरस्कार कर्मियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। इसी क्रम में चीचली पुलिस थाने में पदस्थ मिलन सार स्वभाव के धनि व अपने दायित्यों को पूर्ण निष्ठा के साथ पूरा करने के लिऐ एक अलग पहचान बना चुके हुये आरक्षक राकेश झा को सम्मानित किया गया। बताया जाता है कि थाना चीचली के गुम इंसान कमांक 56/25 में गुमशुदा व्यक्ति को पुणे महाराष्ट्र से दस्तयाबी करने में सफलता हासिल करने वाले आरक्षक राकेश झा एवं महिला आरक्षक कुमुद पाठक चीचली एवं साईबर सेल को प्रेरित करने, उनमें सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने और उनकी कार्य कुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से सम्मानित किया गया।

नियम विपरित वाहनों में लगे हुये लाईट की अनदेखी बन रही सड़क दुर्घनाओं का कारण...?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। क्षेत्र की सड़को पर दौड़ने वाली वाहनों की मनमानी पर अंकुश लगाने में प्रशासन की असफलता का परिणाम है कि वाहन चालक पूर्णरूप से अपनी मनमानी पर उतारू दिखाई देने से नही चूक रहे है क्योंकि सड़को पर दौड़ने वाले कई वाहनो की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि वह निर्धारित नियमों के विरूद्ध संचालित होने के साथ साथ यह खस्ताहाल वाहन जहां पर्यावरण को बिगाड़ रहे है, वही ये दुर्घटानाओ के कारण भी बनने से भी नही चूक है? क्योंकि जिस प्रकार से वाहन चालकों द्वारा अपने वाहनों में नियम विरूद्ध लाईट लगाये हुये है उसके चलते आये दिन सड़क दुर्घटनाएं घटित होने का प्रमुख कारण सामने आने से नही चूक पाता है, जहां अनेक चार पहिया वाहन इस प्रकार से होते है जिनका मात्र एक ही हेड लाईट चलते हुये देखा जाता है जिसके चलते इस प्रकार के वाहन को अधिकांश समय लोग दो पहिया वाहन समझते हुये अपनी मोटर साईकिल को काटता है तो वह दुर्घटना का शिकार होने से नही चूकता है? वही दूसरी ओर अनेक वाहनों में निर्धारित माप दंडों के अतिरिक्त तेज रोशन वाली लाईट लगे होते है जो सामने से आने वाली वाहन चालक को रास्ता दिखना ही बंद हो जाता है, उसके कारण वह दुर्घटना का शिकार होने से नही बच पाता है? इस प्रकार की सच्चाई सबसे अधिक सड़को पर दौड़ रहे आटों में देखने मिल रहा है, क्योंकि आटों चालकों द्वारा अपने आटों में मनमाफिक रूप से आटों के ऊपर व अन्य जगहों पर जो अतिरिक्त लाईट लगाये हुये है वह छोटे वाहन चालकों के खिलाफ खतरा का कारण बनने से नही चूक रहे है?

सूकरी गांव में नालियों का पानी बह रहा सड़कों पर

हरिभूमि न्यूज/ कौड़िया। भले ही गांवों के विकास के नाम पर सरकार द्वारा मनमानी राशि खर्च की जा रही है, वही दूसरी ओर ग्राम पंचायतों द्वारा भी स्वच्छता के नाम पर सरकारी राशि खर्च करते हुए कागजों में स्वाच्छता अभियान को सफल बनाने में कोई कसर नही छोड़ी जहा रही है। मगर जिस प्रकार से गांवों में गंदगी का आलम देखने मिल रहा है उस ओर न तो अधिकारी ध्यान दे रहे है और न ही क्षेत्र के वह जन प्रतिनिधि जो आये दिन स्वच्छता का संदेश देते हुए अपने हाथों में झाडू लेकर अखबारों की सुर्खियों में बनने के लिए कोई कसर नही छोड़ते है, कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चावरपाठा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सुकरी में देखने मिल रही है, जहां पर नालियों का गंदा पानी सड़को पर बहने के कारण गांव में गंदगी का आलम देखने मिल रहा है।

टूटी सड़कों को नजरअदांज किये जाने के कारण ग्रामीणों करना पड़ रहा है परेशानियों का सामना, लिलवानी कोठिया मार्ग की बदहाली ने गांव के लोगों को किया शहर से विमुख...

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

जहां एक ओर केन्द्र में बैठी हुई सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों को शहरों से जोड़ने के लिए गांव गांव पक्की सड़कों का निर्माण हर साल करोड़ो रूपया खर्च किया जा रहा है। मगर उन सड़कों का निर्माण कार्य करने वाली कंपनियों द्वारा संबंधित विभाग के अधिकारियों की मिली भगत के चलते जिस प्रकार से सड़कों के निर्माण कार्यो को अंजाम दिया जाता है उसके चलते यदि कोई सड़क पूरे एक वर्ष भी चल जावे तो बड़ी बात साबित होने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय समीपस्थ जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत लिलवानी से कोठिया के बीच बनी हुई प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क में देखने मिल रही है। प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत 4.7 किलो मीटर सड़क को अभी बने हुए मात्र कुछ ही साल निकले हुये है। यह बात अलग है कि मौके पर लगे हुये वोर्ड के अनुसार तो सड़क निर्माण को लम्बा समय कहा जा सकता है। क्योंकि यहां पर वोर्ड लगाये जाने के बाद लम्बा समय बीते जाने के बाद सड़क का निर्माण कार्य शुरू हुआ था। सही मायने में देखा जावे तो मौके पर स्थापित किये गये वोर्ड में अंकित इस सड़क की गारंटी अवधि समाप्त हो चुकी थी तब कही सड़क निर्माण कार्य शुरू हुआ था..? और इस सड़क के निर्माण होने के कुछ दिनों उपरांत ही जिस तरह जहां तहां दरारे निकलने की शुरूआत होने से सड़क के निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता अपने शुरू हो चुकी थी। ज्यों ज्यो समय बीतते चला गया और यह सड़क बदहाल होने के चलते इस समय सड़क की स्थिति इस तरह बन चुकी है कि लोगों को वाहन चलाते हुये निकलना तो दूर की बात पैदल तक निकलने में परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है। जब वाहन चालक सड़क से अपने वाहनों को निकलते है तो वह अपने आपकों मौत कुंआ में वाहन चलाने के समान महसूस करने से नही चकते है..? ग्राम लिलवानी से कोठिया की बीच की सड़क सच्चाई पर गौर किया जावे तो कुछ सालों पहले यह सड़ केन्द्र सरकार की योजना के तहत लगभग 168.69 लाख रूपया की लागत से प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनाये जाने के लिये स्वीकृति प्रदान हुई थी जिससे यहां के लोगों ने सपना देखा था कि उनका गांव पक्की सड़क से जुड़ जाने के बाद उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त होने लगेगे और इस सड़क के निर्माण के लिए जे एम डी कंस्ट्रक्शन कंपनी शिवपुरी करेरा की कंपनी द्वारा ठेका लिया गया था तथा इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू करने की तिथि 22 दिसम्बर 2009 से 21 दिसम्बर 2010 तक पूर्ण करना था। वही सड़क को गुणवत्ता के साथ निर्मित करते हुए इस सड़क की ठेकेदार द्वारा 5 वर्ष तक की गारंटी का भी एग्रीमेन्ट निर्धारित किया गया था, जिसके चलते सड़क निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा सड़क निर्माण कार्य की शुरूआत जिस प्रकार से की गई तो उसकी गुणवत्ता पर सबाल खड़े होने के कारण इस सड़क का निर्माण कार्य काफी समय तक बंद रहा जिसके चलते कंपनी द्वारा सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करने की तिथि की बात तो दूर सड़क निर्माण का गारंटी अवधी भी बगैर निमार्ण हुए ही निकल गया था। इस प्रकार से सड़क निर्माण कार्य शुरू होने के कई साालों तक सड़क का काम बंद होने के बाद शायद किसी दूसरी कंपनी द्वारा इस सड़क का निर्माण किया गया था। इस तरह आपा धापी के बीच चंद दिनों के अंदर जिस प्रकार से सड़क का निर्माण कार्य किया गया था उसे देखते हुए यह बात स्पष्ट होते हुए जान पड़ रही थी कि कंपनी द्वारा सड़क निर्माण में गुणवत्ता को दर किनार किया जा रहा है और इस सड़क का भविष्य ज्यादा दिनों का नही हो सकता है..? क्योंकि इस सड़क के निर्माण के दौरान कंपनी द्वारा बेश तथा अन्य कार्यो में स्थानीय नदी का बजरा के रूप में चुन कंकडो का उपयोग किया गया है। वह इस बात को स्पष्ट रूप से संकेत दे रहा था कि सड़क बनने के कुछ दिन बाद ही टूटना शुरू हो जावेगी। क्योंकि चुन कंकड़ो की विशेष घुलनशील के रूप में मानी जाती है जब उन पर बजन पड़ता है तो वह घुल जाते है और इस प्रकार से गुणवत्ता हीन सामग्री उपयोग होने की सच्चाई को लेकर स्थानीय स्तर पर मीडिया द्वारा प्रमुखता उजागर भी किया गया था। मगर उस समय न तो किसी क्षेत्र के अच्छे नेता द्वारा ध्यान दिया गया था और न ही संबंधित विभाग के अधिकारियों के द्वारा जिसके चलते चंद दिनों के अंदर इस सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण होने के साथ साथ किसी भी प्रकार से निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी द्वारा सड़क पर डामरीकरण करते हुए उसे काला तो कर दिया गया था। मगर अब इस सड़क की सच्चाई इस प्रकार से देखने मिल रही है कि सड़क का निर्माण हुए अभी कुछ साल ही बीते होगे और इस सड़क में जहां तहां निकल रही बड़ी बड़े ददारे तथा टूट रही सड़क अपने आप ही अपनी गुणवत्ता की कहानी बताते हुए जान पड़ रही है...? अनेक जगहों पर तो गड्डो की स्थिति इस तरह देखने मिल रही है कि वह मौत का कुंआ साबित होने से नही चूक रहे है। इस तरह वाहन चालक अपनी जान जोखिम में डालते हुये निकलने के लिये मजबूर देखे जा रहे है। इस तरह बदहाल स्थिति में पहुंच चुकी ग्राम लिलवानी कोठिया मार्ग के निर्माण को लेकर क्षेत्र के लोगों द्वारा शासन प्रशासन से पुनः गुहार लगाई जाने लगी है। यदि समय रहते हुये इस सड़क में सुधार कार्य नही हुआ तो निश्चित तौर से इस सड़क पर बड़ बड़ी घटनाये घटित होना दिखाई देने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..?

बीटीआई स्कूल में आयोजित समर कैम्प का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

परीक्षाये समाप्त होने के बाद बच्चें जब फ्री हो जाते है तो निश्चित तौर वे वह अपने घरों में बैठे बैठे बोर होने से नही चूकते है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये जहां तहां समर कैम्पों का आयोजन करते हुये बच्चों को खेल कूंद सहित अन्य प्रकार की गतिविधियों से परिपूर्ण किया जाता है। इसी प्रकार से नगर के बीटीआई स्कूल में आयोजित समर कैम्प में देखने मिला है। बताया जाता है कि स्थानीय पीएमश्री शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बीटीआई स्कूल मे ग्रीष्मकालीन समर कैंप का समापन सरस्वती पूजन एवं माल्यार्पण कर प्राचार्य श्रीमती सुनीता पटेल की अध्यक्षता में किया गया।1 मई से शुरू हुए इस समर कैम्प मे 1 माह तक प्रातः 7:30 से 12:30 तक म्यूजिक, कंप्यूटर, इंग्लिश स्पोकन कोर्स, गेम्स, योगा, चित्रकला, पेंटिंग एवं अन्य गतिविधियां बच्चों को सिखाई गई थी। कार्यक्रम मे छात्रों को प्रशस्ति पत्र दिये गये। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती पटेल ने कहा कि समर कैम्प का लाभ सभी छात्र छात्राओ ने उठाया इससे छात्रों को नये अनुभव सीखने को मिले। समापन कार्यक्रम मे मलखान मेहरा श्रीमती सुषमा पटवा, रोहित वाल्मीकि , हरिओम जाटव,सी एल वर्मा, लालमन ठाकुर, सूरज कहार सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष के नगर आगमन पर सेन समाज ने किया भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

स्थानीय सेन समाज द्वारा बीते हुये मंगलवार को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार एवं रायसेन नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष प्रतिनिधि व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जमना सेन का ओशो की पावन धरा गाडरवारा आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। बताया जाता है कि सेन समाज के पदाधिकारियों एवं युवाओं ने पुष्पमाला पहनाकर, शॉल-श्रीफल भेंट कर दोनों अतिथियों का आत्मीय अभिनंदन किया। इस मौके पर समाज की ओर से अतिथियों को माँ नर्मदा का सुंदर छायाचित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला प्रभारी अभिषेक सराठे की उपस्थिति में सामाजिक बंधुओ ने पिछड़ा वर्ग से जुड़े सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने कहा की सेन समाज मेहनतकश और स्वाभिमानी समाज है। भाजपा सरकार पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। वही प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में समाज के युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में नई योजनाओं का लाभ मिल रहा है। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करें, तभी हमारी आवाज और बुलंद होगी । रायसेन नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि जमना सेन ने कहा समाज में एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। हमें अपने बच्चों को शिक्षित करना है और सामाजिक कुरीतियों को दूर करना है। राजनीतिक भागीदारी बढ़ेगी तो समाज का विकास भी तेज होगा। इस अवसर पर जिला प्रभारी अभिषेक सराठे के साथ वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र श्रीवास, आकाश सेन, राजेश सराठे, नीलेश श्रीवास, सत्यम श्रीवास, चंचल सराठे, नरेंद्र सेन, सौरभ सेन, नीरज श्रीवास, आकाश, भूसे श्रीवास, शेखर सराठे सहित बड़ी संख्या में सेन समाज के युवा और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

क्षेत्र की पंचायतों में हुये निर्माण कार्यों की जांच से उजागर हो सकती है गुणवत्ता की सच्चाई?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जिस प्रकार से लोग अपनी ग्राम पंचातयों में किसी जनप्रतिनिधि का चुनाव करती है तो उसे उससे काफी उम्मीदे रहते हुए ग्राम के विकास की बाट जोही जाती है, मगर अक्सर देखा जाता है कि कुर्सी मिलने के बाद वह ग्राम विकास को भूलकर सिर्फ अपनी विकास की ओर ध्यान देने से नही चूकता है? इस बात की सच्चाई ग्राम पंचायतों के पूर्व सरपंचों के कार्यकाल खत्म होने के बाद जब नई पंचातयों का गठन हुआ तो ऐसा जान पड़ा की शायद अब ग्रामों की तस्वीर बदल जावेगी? मगर ऐसा कुछ हुआ जान नही पड़ रहा है और पांच वर्ष बीत चुके है यदि पूर्व के समय के सरपंचो के कार्यकाल पर गौर किया जावे तो उनके द्वारा किये गये भ्रष्टाचार को लेकर अनेक ग्राम पंचायतों की कार्य प्रणाली के खिलाफ आज भी अंगुली उठ रही रही हैं? सरपंचों के खिलाफ शिकायतों का आनवरत सिलसिला जारी है, जिम्मेदार अधिकारियों के पास ऐसी अनेक शिकायतें निराकरण की बाट जोह रही है जिनकी यानि निष्ठा के साथ जांच हो जावे तो पंचायतों में हुए घोटालों की सच्चाई सामने आ सकती है? वैसे सच यह भी है कि यदि प्रशासन इन शिकायतों के प्रति गंभीर रूप अख्तियार करता तो अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंचो द्वारा पूर्व में डकारी गई शासकीय राशि अपने घर से चुकानी पड सकती है? दरअसल ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य सबसे अधिक शिकायतों के केन्द्र बिन्दु बने हुए हैं? निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने की शिकायत आम तौर पर है क्योंकि सरपंचों के पास पांच लाख रूपये तक के निर्माण कार्य किये जाने का अधिकार था और बाद में सरकार द्वारा उसमें बढ़ोत्तरी करते हुये डबल करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी, जिसका उन्होंने खुलेआम दुरूपयोग करते हुए अनेक पंचायतो में गुणवत्ताहीन किये गये निर्माण कार्य आज खुली गवाही दे रहे है, भले ही इन निर्माण कार्यों का मूल्यांकन तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा अपनी जुगाड़ू व्यवस्था के साथ करा दिया गया हो..? परंतु कतिपय यंत्री और उपयंत्रियों की मिली भगत भी इनमें रही है यही कारण है कि मूल्यांकन के निकार्ड से तो बेहतर निर्माण कार्य का हुआ है परंतु निर्मित कार्य घटिया ही साबित हो रहे है? जिनकी सच्चाई वह निर्माण कार्य स्वयं ही बता रहे है? इतनी ही नहीं कुछेक ग्राम पंचायतों में तो यह आरोप भी लगाया जाता है कि निर्माण हुआ ही नहीं और पैसा खर्च हो गया, वैसे ऐसे आरोपों की तत्काल और गंभीरता से जांच होनी चाहिये, जिससे पूर्व के सरपंचों की खाई हुई मलाई ऊपर आ जावे तथा वर्तमान जनप्रतिनिधि उनके नक्शे कदम पर न चले, अपेक्षा है कि क्षेत्र के जनपद पंचायत चीचली क्षेत्र में पूर्व सरपंचों के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यो की जांच की जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाली सच्चाई आने से नही रूक सकती है?

ग्रीष्मकालीन अवकाश बाद स्कूल पहुंचते हुये दिखाई देने लगे शिक्षक

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

सोमवार को ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्ति उपरांत शासकीय स्कूलों के शिक्षक स्कूल पहुंचते हुये नजर आये। इसी के साथ शासकीय स्कूलों में सोमवार से शैक्षणिक तैयारियां भी शुरू हो गई । बताया जाता है कि भीषण गर्मी के चलते राज्य शासन ने शिक्षकों के अवकाश को बढाकर उसमे एक सप्ताह की अतिरिक्त वृद्धि की थी जो 7 जून को समाप्त हो गई। विद्यार्थियों का अवकाश 15 जून तक रहेगा एवं वे 16 जून से स्कूलों की शुरूआत हो जावेगी और चहल पहल दिखाई देने लगेगी। बताया जाता है कि सोमवार को शिक्षक विद्यालय पहुंचकर आवश्यक तैयारियों में जुट गये । इस दौरान स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन, प्रवेश प्रक्रिया, अभिलेखों के अद्यतनकरण और कक्षावार छात्र संख्या निर्धारण का कार्य शुरू हो गया। साथ ही स्कूल परिसरों की साफ-सफाई, कक्षाओं की व्यवस्था, पेयजल एवं विद्युत सुविधाओं की जांच और अन्य व्यवस्थाएं भी दुरुस्त करने का कार्य हो रहा है । शिक्षकों द्वारा पाठ्य पुस्तक वितरण, समय-सारिणी निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियों की रूपरेखा भी तैयार की जा रहीं है। सांगई मे पदस्थ शिक्षक मधुसूदन पटैल ने बताया कि ग्रीष्म अवकाश उपरांत स्कूल पहुँचकर व्यवस्थाएं दुरुस्त करना एवं लंबित कार्य पूर्ण करना पहली प्राथमिकता है। यहाँ उल्लेखनीय है कि लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि 16 जून से शुरू होने वाले नए सत्र से पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं।

रेत ढोने वाले डंपर की मनमानी से घटित हो सकती है बड़ी घटना

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया।

इस समय जिस प्रकार से क्षेत्र के नदियों में बैध व अवैध रूप से जो रेत का खनन चल रहा है उसके चलते जहां शासकीय संपदा का दोहन होते हुए तो देखा ही जा रहा है? वही दूसरी ओर क्षेत्र के नदियों का भविष्य भी पूर्णरूप से संकट में नजर आ रहा है? मगर इसके बाद भी क्षेत्र की जनता का चुप रहना चिंता क विषय बना हुआ है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो क्षेत्र की सड़कों पर रेत ढोले वाले वाहनों में जिस प्रकार से ओवर लोडिंग करते हुए रेत की ढ़लाई की जा रही वह आम लोगों को परेशानी का कारण बनाते हुए किसी दिन बड़ी दुर्घटना को अंजाम देने की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है? इस संबंध में बताया जाता है कि गाडरवारा ककरा मार्ग से ढोई जा रही रेत के डम्फरों की स्थिति इस प्रकार से देखने मिलती है कि उनको इस प्रकार से भरा जाता है कि जब वह डम्फर अपनी गति से दौड़ते है तो रेत के उड़ने के कारण आसपास से गुरजने वाले छोटे वाहनों चालकों की आंखों में रेत भरने से उन्हें वाहन चलना मुश्किल हो जाता है, वही रेत की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई देखी जा रही है कि व सड़कों पर गिरने के कारण वाहन आये दिन फिसलते हुए नजर आते है? जबकि यह क्षेत्र पलोहा पुलिस थाने के अंतर्गत आने के बाद भी पहोला पुलिस की उदासीनता के चलते इस प्रकार से ओवर लोडिंग वाहनों के चलते किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

बगैर सामग्री क्रय किये ही कर ली राशि

डिंडोरी। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायतों में चल रहे पक्के निर्माण कार्यों में जमकर अनियमिताएं बरती जा रही हैंए सरपंच सचिव बगैर निर्माण कराये ही राषि का आहरण कर धांधली कर रहे हैं। ताजा मामला ग्राम पंचायत मौहारी का प्रकाष में आया हैंए जहां बड़े टोला में सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण माह जनवरी में स्वीकृत हुआ था। जिसमें रेत 12 घन मीटरए गिट्टी 20 एमएम 9 घनमीटरए गिट्टी 40 एमएम 9 घनमीटरए एवं सीमेंट 100 बैग का फर्जी बिल लगाकर 94400 का ग्राम पंचायत द्वारा भुगतान कर लिया गया है। लेकिन कार्यस्थल पर मात्र 1 ट्राली 20 एमएम मिट्टी एक ट्राली 40 एमएम गिट्टी पूर्व से निर्मित पुलिया के समीप एकत्र कर रखा गया है। जबकि स्वीकृति दिनांक से अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। इस बावद ग्राम पंचायत के सचिव अमर सिंह कुशराम द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अमरपुर के समक्ष राशि आहरण करना कबूल किया गया थाए और यह बतलाया गया था कि उनके द्वारा 94400 रूपये का सामग्री क्रय हेतु बिल सबमिट किया गया है साथ ही राशि भी आहरण हो चुकी है। ग्राम पंचायत द्वारा राशि आहरण कर धांधली के आरोप तो लगे ही हैं साथ ही निर्माण स्थल पर अब तक बोर्ड भी नहीं लगाया गया। जिससे यह स्पष्ट हो सके कि निर्माण कार्य की स्वीकृति कितनी है और सीसी रोड कहां से कहां तक बनाई जायेगी।

करैत सर्प के काटने से उपचार दौरान युवक की मौत

अनूपपुर। घर के अंदर जमीन में सोते 40 वर्ष युवक कों करैत प्रजाति के अत्यंत जहरीले सर्प के काटने से उपचार दौरान युवक की मंगलवार की दोपहर जिला अस्पताल अनूपपुर में मृत्यु हो गई, घटना की सूचना पर जिला अस्पताल पुलिस द्वारा मृतक की शव का पंचनामा एवं पीएम की कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही हेतु संबंधित थाना को सूचित किया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार अनूपपुर जिले के राजेंद्रग्राम थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत हई के गिरारी गांव निवासी 40 वर्षीय छंगू अगरिया पिता मनीराम अगरिया प्रत्येक दिन की तरह सोमवार के दिन लोहे का औजार एवं सामान बनाने का काम कर देर शाम/रात खाना पीना खाने बाद घर में जमीन पर सोया हुआ था तभी सोमवार एवं मंगलवार की मध्य रात्रि अत्यंत जहरीले करैत प्रजाति के सर्प ने दाएं हाथ के बीच की उंगली में डस दिया सर्पदंश की घटना पर परिजनों द्वारा उपचार हेतु राजेंद्रग्राम अस्पताल ले जाकर उपचार कराये जाने पर डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार कर मरीज के बेहतर उपचार हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफर किए जाने पर जिला चिकित्सालय अनूपपुर में उपचार के दौरान मंगलवार की दोपहर छंगू अगरिया की मृत्यु हो गई घटना की जानकारी ड्यूटी डॉक्टर नितेश वर्मा द्वारा जिला अस्पताल पुलिस अनूपपुर को दिए जाने पर प्रधान आरक्षक मंसाराम सिंह मार्को ने मृतक के परिजनों की उपस्थिति में मृतक के शव का पंचनामा कर ड्यूटी डॉक्टर से शव का परीक्षण कराते हुए शव का अंतिम संस्कार किए जाने हेतु परिजनों को सौंप कर घटना की अग्रिम जांच जो राजेंद्रग्राम थाना क्षेत्र की होने पर सूचित किया गया।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत ने 82 आवेदन पत्रों में की सुनवाई

अनूपपुर। जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी ने 82 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर कमलेश पुरी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर सुश्री प्राशी अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई के दौरान तहसील कोतमा के ग्राम कोठी निवासी अभय सिंह ने ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र बनाए जाने, वार्ड नं. 3 जैतहरी निवासी पुरुषोत्तम दास वर्मा ने नक्शा तरमीम कराए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम परसवार निवासी धना सिंह गोंड़ ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाए जाने, तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम खाटी निवासी कुवर सिंह ने सीमांकन कराए जाने, तहसील कोतमा के ग्राम रेउला निवासी विष्णु सिंह उइके ने वनाधिकार अधिनियम के तहत पट्टा प्रदाय किए जाने, तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम अचलपुर निवासी राजेन्द्र कुमार संत ने घरेलू विद्युत सप्लाई वायर को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कराए जाने की मांग की।

नगर परिषद शहपुरा में बढ़ा प्रशासनिक विवाद
सीएमओ ने अध्यक्ष पति और पार्षद पर लगाए आरोप

कलेक्टर से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग
आरोपों को संबंधित पक्षों ने बताया निराधार

डिंडौरी।

नगर परिषद शाहपुरा में प्रशासनिक और राजनीतिक खींचतान अब खुलकर सामने आ गई है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ;सीएमओद्ध रीना राठौर ने कलेक्टर को शिकायत पत्र सौंपकर नगर परिषद अध्यक्ष के पति अरुण अग्रवाल तथा वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष भजन लाल चक्रवर्ती पर कार्यालयीन कार्यों में हस्तक्षेपए कर्मचारियों और ठेकेदारों पर दबाव बनाने तथा विभिन्न मामलों में अनियमितताओं को बढ़ावा देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के बाद नगर परिषद की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।सीएमओ ने अपने शिकायत पत्र में उल्लेख किया है कि शासन द्वारा उन्हें नगर परिषद शाहपुरा में पदस्थ किया गया है और वे निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं के अनुरूप कार्य कर रही हैं। उनके अनुसार पदभार ग्रहण करने के बाद से ही कार्यालयीन कार्यों में लगातार हस्तक्षेप किया जा रहा हैए जिससे प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

कार्यालयीन कार्यों में हस्तक्षेप का आरोप

शिकायत में कहा गया है कि नगर परिषद से जुड़े विभिन्न मामलों में अध्यक्ष की अपेक्षा उनके पति की सक्रिय भूमिका देखने को मिलती है। सीएमओ का आरोप है कि कर्मचारियों और ठेकेदारों को बुलाकर विभिन्न कार्यों के संबंध में दबाव बनाया जाता है तथा कई बार नियमों के विपरीत कार्य कराने का प्रयास किया गया। विरोध करने पर मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा।

स्वागत द्वार और सफाई व्यवस्था को लेकर भी विवाद

शिकायत पत्र में स्वागत द्वार निर्माण कार्य का भी उल्लेख किया गया है। सीएमओ के अनुसार यह प्रस्ताव परिषद की बैठक में विधिवत स्वीकृत हुआ थाए लेकिन बाद में कार्य और भुगतान प्रक्रिया को लेकर दबाव बनाया गया। वहीं स्वच्छ भारत मिशन के तहत संचालित सफाई व्यवस्था और एनजीओ के संचालन को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एनजीओ संचालकों पर दबाव बनाया गया और कथित आर्थिक मांगें पूरी नहीं होने पर उनके विरुद्ध शिकायतें की गईं।

सीएमओ ने सामग्री क्रय एवं भुगतान संबंधी मामलों में भी अनियमितताओं की आशंका जताई है। उनका कहना है कि कुछ मामलों में बिना सामग्री प्राप्त हुए भुगतान के लिए दबाव डाला गया। इसके अलावा नगर परिषद में हुई लगभग 10 कर्मचारियों की भर्ती को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायत के अनुसार इन नियुक्तियों को लेकर पूर्व में भी शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं और प्रक्रिया की जांच की मांग की गई थी।

निष्पक्ष जांच की मांग

सीएमओ ने शिकायत पत्र में कहा है कि लगातार हस्तक्षेप और दबाव के कारण प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही नगर परिषद के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारों को लेकर भी उचित निर्णय लेने का अनुरोध किया है।नगर परिषद अध्यक्ष के पति अरुण अग्रवाल ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि वे पिछले दो माह से नगर परिषद कार्यालय नहीं गए हैं तथा अध्यक्ष द्वारा भी इस संबंध में लिखित जानकारी दी गई है।वहीं पार्षद एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष भजन लाल चक्रवर्ती ने कहा कि वे निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं और उनके द्वारा सीएमओ के विरुद्ध पूर्व में की गई शिकायत की जांच चल रही है। उन्होंने सीएमओ द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को असत्य और तथ्यहीन बताया है।फिलहाल मामला शिकायत और प्रतिशिकायत के दौर में है। अब सभी की निगाहें जिला प्रशासन की जांच और आगे की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

इनका कहना है

अध्यक्ष पति और मंडल अध्यक्ष द्वारा दबाव बनाकर बिना कार्य के भुगतान कराने सहित अन्य मामलों की शिकायत कलेक्टर से की गई है।

रीना राठौर
सीएमओए नगर परिषद शहपुरा

मेरे ऊपर लगाए गए आरोप पूरी तरह निराधार हैं। मैं पिछले दो माह से नगर परिषद कार्यालय नहीं गया हूं।

अरुण अग्रवाल
अध्यक्ष पति

मैं निर्वाचित पार्षद हूं। मेरे द्वारा की गई शिकायत की जांच चल रही है। सीएमओ के आरोप तथ्यहीन हैं।

भजन लाल चक्रवर्ती
पार्षद एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष

पुलिस अभिरक्षा से भागा युवक जंगल में बेसुध मिला, अस्पताल में इलाज जारी

डिंडोरी।

रविवार की रात शाहपुर थाना पुलिस की अभिरक्षा से भागा युवक 36 घंटे बाद बेहोशी की हालत में मंगलवार को जंगल में झाड़ियों में मिला है। जिसे परिजनों ने इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है। जहां युवक की हालत में सुधार हो रहा है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई हेतु युवक के होश में आने का इंतजार कर रही है। पूरे मामले पर युवक की मां का कहना है कि बेटे का इलाज हो जाए एवो ठीक हो जाए और कुछ नहीं चाहिए। गौरतलब है कि एक नाबालिक लकड़ी की गुमशुदगी के मामले में शाहपुर पुलिस ने गोरखपुर निवासी उमेश धुर्वे उम्र 19 साल को पूछताछ हेतु शनिवार को थाना बुलाया था। आरोप है कि शाहपुर पुलिस ने शनिवार और रविवार को युवक को पुलिस अभिरक्षा में रखा था। इसके बाद सोमवार को उमेश की मां सिंघिया बाई ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय आकर शिकायत की थी कि उसका बेटा थाना से गायब है। जिसके बाद आनन फानन में पुलिस हरकत में आई और साफ हुआ कि उमेश रविवार की रात थाना की छत से कूदकर भाग गया है। जिसकी खोजबीन के बीच मंगलवार की सुबह थाना से आठ किलोमीटर दूर गोरखपुर बांध के ऊपर जंगल के किनारे बेशरम की झाड़ियों में उमेश बेहोशी की हालत में मिला। प्रारंभिक तौर पर मालूम हुआ कि उमेश ने बेशरम के पौधे की पत्तियां निगल लीं थींए जिससे वह बेसुध हो गया। वहीं जिला अस्पताल में भर्ती उमेश ने बतलाया कि दो दिनों तक वह शाहपुर थाना में पुलिस कर्मियों की निगरानी में था। उसको खाना भी नहीं दिया गया था। इसी दौरान रविवार की रात शौच के बहाने उमेश मौका देख थाना की छत से कूद गया और पीछे की तरफ से अपने गांव की तरफ चला गया। उमेश ने बतलाया है कि छत से कूदने पर उसका एक पैर चोटिल हो गया है। जबकि रात के अंधेरे में पैदल गांव जाने के दौरान उसका दूसरा पैर गड्ढे में घुसने से दूसरे पैर में भी चोट आई। जिससे वह चलने में लाचार हो गया और घर पहुंचने के पहले ही जंगल मे बेसुध हो गया। उमेश के मुताबिक उसने दुबारा पकड़े जाने के डर से बेषरम की पत्ती निगल ली थीं। पूरे मामले पर अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अजय तिवारी ने जांच प्रतिवेदन उपरांत कार्रवाई की बात कही है।

स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास किसी और के नाम चढ़ाने का आरोप
हितग्राही ने कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

डिंडौरी।

प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन को लेकर नगर परिषद डिंडौरी एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। वार्ड क्रमांक 14 पुरानी डिंडौरी निवासी संतोष कुमार ठाकुर ने कलेक्टर डिंडौरी को लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उनके नाम से स्वीकृत आवास को नगर परिषद के एक कर्मचारी द्वारा हितग्राही सूची से हटाकर किसी अन्य व्यक्ति के नाम दर्ज कर दिया गया। मामले में उन्होंने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा उन्हें उनका स्वीकृत आवास दिलाने की मांग की है।आवेदक संतोष कुमार ठाकुर ने अपने आवेदन में बताया है कि वे पुरानी डिंडौरी के वार्ड क्रमांक 14 के स्थायी निवासी हैं और उनका निवास एक कच्चा मकान है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राही होने के आधार पर आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन के दौरान उन्होंने आवश्यक दस्तावेजों के साथ शपथ पत्र भी जमा किया थाए जिसमें स्वयं को योजना का पात्र हितग्राही बताया था।आवेदन के अनुसारए नगर परिषद द्वारा मौके पर जांच भी कराई गई थी। जांच के दौरान उनके निवास स्थल का निरीक्षण किया गया और मकान के फोटो भी लिए गए। इसके बाद उन्हें उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें लाभ मिलेगाए लेकिन बाद में उन्हें जानकारी मिली कि हितग्राही सूची में उनके नाम के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति का नाम दर्ज कर दिया गया है।संतोष कुमार ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने शासन की हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गयाए जिसमें यह उल्लेख किया गया कि आवेदक को पूर्व में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल चुका है तथा वार्ड क्रमांक 15 में उनके नाम पर पक्का मकान निर्मित है। इसी आधार पर उन्हें योजना के लाभ के लिए अपात्र बताया गया।हालांकि आवेदक ने इस दावे को पूरी तरह

गलत बताते हुए कहा है कि उन्हें आज तक किसी भी प्रधानमंत्री आवास का कब्जा प्राप्त नहीं हुआ है। उनका कहना है कि यदि उनके नाम पर कोई आवास स्वीकृत हुआ है तो नगर परिषद यह स्पष्ट करे कि वह मकान कहां स्थित हैए उसका कब्जा किसके पास है और उससे संबंधित दस्तावेज उन्हें उपलब्ध कराए जाएं।अपने आवेदन में उन्होंने यह भी आशंका जताई है कि यदि उनके नाम पर स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास का निर्माण कराया गया है और उन्हें उसका कब्जा नहीं दिया गयाए तो कहीं ऐसा तो नहीं कि उनके नाम का आवास किसी अन्य व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए उपयोग कर लिया गया हो। उन्होंने इस पूरे मामले की गहन जांच कराने तथा संबंधित दस्तावेजों की प्रतियां उपलब्ध कराने की मांग की है।आवेदक ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि नगर परिषद डिंडौरी द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन और वास्तविक स्थिति की पुनः जांच कराई जाए। यदि उनके नाम पर स्वीकृत आवास पाया जाता है तो उसका विधिवत कब्जा उन्हें दिलाया जाए तथा किसी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।इस शिकायत के सामने आने के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन और हितग्राहियों के चयन की प्रक्रिया पर भी सवाल उठने लगे हैं। अब लोगों की निगाहें जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं कि मामले की जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और शिकायतकर्ता को न्याय मिल पाता है या नहीं।

पानी के लिए महिलाओं का फूटा गुस्सा, खाली बर्तन रखकर हाईवे पर लगाया चक्का जाम

डिंडौरी।

जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत आमाडोंगरी में पेयजल संकट से परेशान महिलाओं का मंगलवार को गुस्सा फूट पड़ा। बड़टोला सहित पूरे गांव में पिछले एक सप्ताह से नल.जल योजना की पेयजल आपूर्ति बंद होने और हैंडपंप खराब पड़े रहने से नाराज महिलाओं ने शहडोल.पंडरिया राज्य मार्ग पर खाली बर्तन रखकर चक्काजाम कर दिया। सुबह करीब साढ़े 10 बजे शुरू हुआ जाम लगभग सवा दो घंटे तक जारी रहाए जिससे हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों के अनुसार आमाडोंगरी में सड़क निर्माण कार्य के दौरान निर्माण कंपनी द्वारा नल.जल योजना की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त कर दी गई थी। पाइप लाइन टूटने से सबसे ज्यादा परेशानी का सामना बड़टोला के ग्रामीणों को उठाना पड़ा यहां स्थित सभी पेयजल आपूर्ति के साधन पूरी तरह बंद पड़े होने के चलते पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई। जिसके कारण पानी के लिए महिलाओं को सड़क पर उतरना पड़ा । महिलाओं ने बताया कि कंपनी द्वारा जल्द मरम्मत और नई पाइप लाइन बिछाने का आश्वासन दिया गया थाए लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि बड़टोला में करीब डेढ़ सौ परिवार निवासरत हैं। क्षेत्र के तीनों हैंडपंप भी खराब पड़े हैंए जिससे पीने के पानी का कोई स्थानीय स्त्रोत नहीं बचा है। मजबूरी में लोगों को लगभग दो किलोमीटर दूर पडरिया डोंगरी से पानी लाना पड़ रहा है। भीषण गर्मी में पानी के लिए रोजाना होने वाली परेशानी से नाराज महिलाओं ने सड़क पर उतरकर प्रदर्षन किया। मार्ग जाम होने की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सहित बजाग पुलिस मौके पर पहुंचीए लेकिन महिलाएं और ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। इसके बाद तहसीलदार भरत सिंह बट्टे और पीएचई विभाग के प्रभारी सहायक यंत्री अंशुल विशन मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को शीघ्र पेयजल आपूर्ति बहाल करानेए खराब हैंडपंपों की मरम्मत कराने तथा वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। अधिकारियों की समझाइश के बाद ग्रामीणों ने करीब पौने एक बजे जाम समाप्त किया जिसके बाद आवागमन बहाल हो सका। जाम के दौरान महिलाओं ने मानवता का परिचय देते हुए एक एम्बुलेंस को रास्ता देकर आगे जाने दिया। पीएचई विभाग के सहायक यंत्री अंशुल विशन ने बताया कि सड़क निर्माण कंपनी द्वारा कार्य के दौरान नल.जल योजना की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त कर दी गई है। खराब हैंडपंपों की मरम्मत के निर्देश दिए गए हैं। कंपनी को तत्काल टैंकर से पानी उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। जल्द से जल्द पेयजल आपूर्ति बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं हुआ तो वे दोबारा आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

निजी स्कूलों की नई यूनिफॉर्म नीति पर अभिभावकों में नाराजगी आर्थिक बोझ बढ़ने की चिंता

डिंडोरी। निजी स्कूलों द्वारा आगामी शैक्षणिक सत्र में नई यूनिफॉर्म लागू किए जाने के निर्णय को लेकर अभिभावकों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। बढ़ती महंगाई के बीच स्कूल प्रबंधन के इस फैसले को अभिभावक अतिरिक्त आर्थिक बोझ के रूप में देख रहे हैं। कई निजी विद्यालयों ने 1 जुलाई से नई यूनिफॉर्म अनिवार्य करने संबंधी निर्देश जारी किए हैंए जिसके बाद अभिभावकों ने इस निर्णय पर आपत्ति जताई है। अभिभावकों का कहना है कि वर्तमान समय में पेट्रोल.डीजलए खाद्य सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के कारण घरेलू बजट पहले से प्रभावित है। ऐसे में स्कूल फीसए पुस्तकेंए कॉपियांए परिवहन शुल्क और अन्य शैक्षणिक खर्चों के साथ नई यूनिफॉर्म खरीदने की बाध्यता उनके लिए अतिरिक्त परेशानी खड़ी कर रही है।उनका आरोप है कि यूनिफॉर्म परिवर्तन का निर्णय बिना व्यापक सहमति और पर्याप्त कारण बताए लिया गया है। कई अभिभावकों ने कहा कि पिछले वर्ष खरीदी गई यूनिफॉर्म अभी भी उपयोग योग्य हैए इसके बावजूद नई यूनिफॉर्म अनिवार्य किए जाने से प्रत्येक परिवार पर हजारों रुपये का अतिरिक्त खर्च आ रहा है।

हैंडपंप पर अतिक्रमण की ग्रामीणों ने की शिकायत

डिंडौरी। ग्राम कनेरी माल के ग्रामीणों ने शिकायत करते हुए बताया कि गांव के मुख्य मार्ग स्थित शासकीय हैंडपंप पर कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण कर मकान निर्माण किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार हैंडपंप को निर्माणाधीन भवन के भीतर शामिल किया जा रहा हैए जिससे सार्वजनिक पेयजल व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।वहीं ग्राम पंचायत जैतपुरी एवं पोषक ग्राम कछारी के ग्रामीणों ने बोर खनन कराने की मांग रखी। ग्रामीणों ने बताया कि पाइपलाइन विस्तार का कार्य पूर्ण होने के बावजूद बोर खनन नहीं होने से जलापूर्ति योजना शुरू नहीं हो सकी हैए जिससे दोनों गांवों में पेयजल संकट बना हुआ है। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को समस्या का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।इसी प्रकार जनपद पंचायत बजाग के ग्राम खरगहना स्थित गरियेला मोहल्ला के निवासियों ने सड़क निर्माण की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि मुख्य सड़क से लगभग ढाई किलोमीटर दूर स्थित बस्ती तक पहुंच मार्ग खराब होने के कारण बच्चों को विद्यालय आने.जाने में कठिनाई होती है तथा एम्बुलेंस सहित अन्य आवश्यक सेवाएं समय पर नहीं पहुंच पाती हैं। इस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरीए अपर कलेक्टर जेण्पीण यादवए संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावीए डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिकए तहसीलदार शशांक शेण्डे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी की कार्य प्रणाली से परेशान

डिंडौरी। जनपद पंचायत समनापुर में प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी की कार्यप्रणाली से परेशान होकर जनपद अध्यक्षए उपाध्यक्ष सहित सदस्यों ने कलेक्टर को लिखित आवेदन देते हुए प्रभारी सीईओ को हटाये जाने की मांग की है। दिये गये शिकायती पत्र में उल्लेख किया गया है कि जनपद पंचायत समनापुर में प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी पंकज जैन के द्वारा लगातार अवैध वसूली की जा रही हैए साथ ही सामान्य सभा में पारित प्रस्तावों की अनदेखी करनेए जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा और मनमर्जी पूर्वक शासकीय कार्यों का संचालन किया जा रहा हैए जिससे कार्य प्रभावित हो रहे हैंए और शासन प्रशासन की छवि धूमिल हो रही है।

जनसुनवाई में 61 आवेदन पहुंचे, पेयजल और सड़क समस्याएं रहीं प्रमुख

डिंडौरी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने आमजन की शिकायतों को सुनते हुए संबंधित विभागों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई में कुल 61 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें पेयजल संकटए सड़क निर्माणए विद्युत सुविधाएंए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता तथा अधूरे विकास कार्यों से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं। कलेक्टर ने सभी आवेदनों का गंभीरता से परीक्षण कर अधिकारियों को निर्धारित समय.सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

कृष्णा का राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सांदीपनि विद्यालय में अध्यनरत कक्षा नवमी के छात्र कृष्णा नेमा को प्रेरणा कार्यक्रम अंतर्गत माह जनवरी 2026 में प्रतियोगिता हेतु नवोदय विद्यालय बोहानी भेजा गया था प्राचार्य बोहानी द्वारा जानकारी दी गई है कि छात्र राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता के लिए चयनित हुआ है जो जुलाई 2026 में गुजरात राज्य स्थित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गृहग्राम में अपनी प्रस्तुति देगा। छात्र के उपलब्धि पर विद्यालय स्टाफ एवं शुभचिंतकों द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

पंचायत क्लस्टर स्तर पर लगाए जा रहे आधार कैंप

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे पीएम किसान, समग्र ई-केवायसी, समग्र पोर्टल, स्कॉलरशिप, फार्मर रजिस्ट्री, पेंशन, आयुष्मान आदि में आधार कार्ड अनिवार्य है, जिसका समय पर अपडेट होना भी आवश्यक है। आधार से संबंधित सभी समस्याओं के निराकरण के लिए जिले में एक माह का विशेष कैंप राजस्व कैम्प के साथ आयोजित किया जा रहा है। संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारी अपने अनुभाग स्तर पर नोडल अधिकारी होंगे। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

नेत्र रोगियों को मिलेगा लाभ

जिला चिकित्सालय में आधुनिक मशीनों से अब हो सकेगी सर्जरी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है इसी क्रम में जिले के नेत्र रोगियों के लिए राहत भरी खबर है। अब मोतियाबिंद और अन्य जटिल नेत्र रोगों के उपचार के लिए मरीजों को जबलपुर, भोपाल या निजी अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा। जिला अस्पताल में दो नेत्र रोग विशेषज्ञों की उपलब्धता, शासन से प्राप्त अत्याधुनिक उपकरणों और आधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर की सुविधा के साथ उन्नत स्तर की नेत्र सर्जरी की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। जल्द ही यहां नियमित रूप से नेत्र ऑपरेशन शुरू किए जाएंगे। जिला अस्पताल में वर्षों से नेत्र रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही थी, लेकिन विशेषज्ञ संसाधनों और आधुनिक उपकरणों के अभाव में जटिल मामलों को बड़े अस्पतालों में रेफर करना पड़ता था।

फेको तकनीक से होगा आधुनिक उपचार

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार फेको तकनीक मोतियाबिंद के उपचार की अत्याधुनिक विधि है। इस तकनीक में छोटा चीरा लगाकर कम समय में सटीक ऑपरेशन किया जाता है, जिससे मरीज जल्दी स्वस्थ होकर सामान्य जीवन में लौट सकता है। अब तक इस सुविधा के लिए मरीजों को बड़े शहरों के अस्पतालों में जाना पड़ता था, लेकिन जल्द ही यह सुविधा जिला अस्पताल में ही उपलब्ध होगी। अब अस्पताल को अत्याधुनिक फेको मशीन, ए-स्केन, केरेटोमीटर सहित अन्य आवश्यक उपकरण उपलब्ध हो गए हैं। इसके साथ ही आधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर भी तैयार कर लिया गया है। इन सुविधाओं से नेत्र रोगों की जांच, उपचार और सर्जरी की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। जिले में बढ़ती उम्र के साथ मोतियाबिंद के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर आधुनिक उपचार उपलब्ध होने से मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि नई सुविधाएं शुरू होने के बाद रेफरल मामलों में कमी आएगी और मरीजों का समय व खर्च दोनों बचेंगे।

मरीजों को मिलेगा विशेषज्ञता का लाभ

जिला अस्पताल में वर्तमान में दो नेत्र रोग विशेषज्ञ पदस्थ हैं। आधुनिक मशीनों और ऑपरेशन थिएटर की सुविधा मिलने से उनकी विशेषज्ञता का सीधा लाभ जिले के मरीजों को मिलेगा। साथ ही नेत्र विभाग में नियमित सर्जरी की संख्या बढ़ने की संभावना भी है। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. राजकुमार चैधरी ने बताया कि नेत्र रोगियों के ऑपरेशन के लिए ऑपरेशन थिएटर तैयार करने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। उनका कहना है कि जल्द से जल्द यह सुविधा शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि मरीजों को जिले में ही उपचार मिल सके और उन्हें बाहर न जाना पड़े। विशेष रूप से मोतियाबिंद के आधुनिक फेको ऑपरेशन और अन्य जटिल नेत्र शल्यक्रियाओं के लिए मरीजों को जिले से बाहर जाना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों का अतिरिक्त भार पड़ता था। अब यह सुविधाएं जिला अस्पताल भी शुरू होने वाली है जिसे लेकर खुशी नजर आई।

गणेश मंदिर में निःशुल्क नेत्र शिविर 30 को

स्थानीय श्री गणेश देवस्थानम् सिद्धपीठ में 30 जून मंगलवार को निःशुल्क नेत्र जांच व परामर्श शिविर गणनायक फाउंडेशन द्वारा आयोजित है। हर वर्ष की तरह स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती चेरिटेबल ट्रस्ट से संचालित शंकराचार्य नेत्रालय की टीम मौजूद रहेगी। इसमें जिन भी मरीजों को मोतियाबिंद या अन्य ऑपरेशन की अवस्था पाई जाएगी, उन्हें झोतेश्वर चिकित्सालय ले जाकर निःशुल्क उपचार किया जाएगा। जागरूकजनों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने आसपास के जरूरतमंद व्यक्तियों को शिविर का लाभ दिलाकर नेक कार्य में भागीदार बनने की अपील की गई। ज्ञात हो कि गणनायक फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष शिविर आयोजन कर लोगों को नेत्र जांच कर स्वास्थ्य लाभ दिलाने का प्रयास किया जाता रहा है।

आजादी के 78 साल बाद भी 'गुलाम' है कमोद-सरेलू सड़क

2 किलोमीटर का सफर बना जानलेवा, कीचड़-दलदल में फंस रही जिंदगी

गोटेगांव। जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम कमोद, सरेलू और कमोदी के बीच महज 2 किलोमीटर की सड़क आज भी ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। करीब 400 की आबादी वाले इन गांवों में आजादी के 78 वर्ष बाद भी पक्की सड़क नहीं बन पाई है।कमोद से सरेलू तक जाने वाला कच्चा मार्ग गड्ढों से भरा हुआ है। गर्मी में धूल उड़ती है तो बरसात में यह रास्ता दलदल में तब्दील हो जाता है। सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को उठानी पड़ती है, जो रोजाना इसी मार्ग से गोटेगांव आते-जाते हैं।ग्रामीणों के अनुसार बरसात के दिनों में फिसलन और कीचड़ के कारण बच्चे कई बार गिरकर चोटिल हो जाते हैं। वहीं किसी मरीज को अस्पताल ले जाना भी चुनौती बन जाता है। कई बार एंबुलेंस और बाइक तक रास्ते में फंस जाती हैं, जिससे मरीजों को खाट पर लादकर पैदल ले जाना पड़ता है।सड़क की खराब स्थिति से किसानों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ता है। फसल को मंडी तक पहुंचाने में दिक्कत होती है और व्यापारी गांव आने से कतराते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हर चुनाव में सड़क निर्माण के वादे किए जाते हैं, लेकिन आज तक समस्या जस की तस बनी हुई है। उन्होंने शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शीघ्र पक्की सड़क निर्माण की मांग की है।

ऑनलाइन योग सत्र आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला आयुष अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के उपलक्ष्य में जिले में ऑनलाइन योग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। यह योग सत्र भ्ंइनपसक भ्मंसजीजमबी च्अज. स्जक. के सहयोग से गिनीज वर्ल्ड रिकॉड बनाने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे हैं। अधिक से अधिक प्रतिभागियों को शामिल करने के लिए नागरिकों से सक्रिय भागीदारी करने की अपील की गई है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए इच्छुक प्रतिभागियों को टोल फ्री नंबर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर पंजीयन कर करना होगा। पंजीयन के बाद उन्हें व्हाट्सएप के माध्यम से ऑनलाइन सत्र की लिंक भेजी जाएगी। आयुष मंत्रालय ने जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों, संस्थानों, योग अभ्यासकर्ताओं एवं आमजन से इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने का आग्रह किया गया है। योग प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिदिन आयुष विभाग के द्वारा संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) एवं एकीकृत 50 बिस्तरीय आयुष चिकित्सालय नरसिंहपुर में योगाभ्यास कराया जा रहा है।

जीव विज्ञान संकाय टापर्स का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस नियमित्ता, अनुशासन एवं प्रोत्साहन के मूल मंत्र पर संचालित एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिहपुर द्वारा प्रतिभा प्रोत्साहन की दिशा में जिले के विभिन्न विद्यालयों में हायर सेकेंण्डरी परीक्षा 12 वीं में प्रदेश, जिला तथा विद्यालय स्तरीय प्रावीण्य सूची में उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त सम्मान समारोह संकायवार आयोजित किया जा रहा है। जीव विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित सम्मान समारोह का आयोजन प्रभात मिश्रा, प्राचार्य, सांदीपनि एस.डी.एम. शासकीय कन्या उ.मा. विद्यालय नरसिंहपुर, डॉ. अशोक कुमार गर्ग प्राचार्य एम.आई.एम.टी. कॉलेज एवं एड. रचित तिवारी डायरेक्टर एम.आई.एम.टी. लॉ कॉलेज एवं उपप्राचार्य डॉ. एस.एन. राव के आतिथ्य में किया गया। श्री मिश्रा द्वारा प्रतिभा प्रोत्साहन कार्यक्रम की सराहना करते हुए छात्र-छात्राओं से निरंतर उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम की बात पर बल दिया। एड. रचित तिवारी ने व्यवसायिक एवं रोजगारोन्मुखी षिक्षा पर बल देते हुए विद्यार्थियों से लगन एवं कड़ी मेहनत की अपील की। डॉ. गर्ग ने स्वागत उद्बोधन देते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महाविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों के संबंध में चर्चा की। प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में राज्य स्तरीय प्रावीण्य सूची में स्थान हासिल करने वाली छात्रा माही साहू एवं विद्यालय स्तरीय प्रावीण्य सूची में उत्कृष्ट स्थान हासिल करने वाली छात्रा संपदा शर्मा ने शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर कार्य योजना के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को प्राप्त होने वाले अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन मेजर डॉ. पराग नेमा एवं आभार गर्ल्स विंग इंचार्ज श्रीमती माधुरी पटवा द्वारा किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया तथा छात्रा आर्या सोनी द्वारा सुमधुर सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गयी।

कथा व्यास का हुआ जोरदार स्वागत

तेंदूखेड़ा । पुरुषोत्तम मास में जगह जगह धार्मिक आयोजन चल रहे हैं इसी श्रंखला के चलते परमपिता परमेश्वर एवं माँ नर्मदा जी की असीम कृपा तथा पूज्य माता पिता के शुभ आशीर्वाद से स्टेडियम ग्राउंड देवरी राजमार्ग में 15 जून तक चलने वाली श्रद्धेय कथा वाचक राष्ट्रीय संत पूज्य विपिन बिहारी महाराज के श्रीमुख से संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का भव्य एवं दिव्यआयोजन को लेकर पहली बार मुख्य यजमान एवं आयोजक पूर्व विधायक संजय शर्मा के देवरी स्थित निवास पर पहुंचे कथा व्यास जी का जोरदार स्वागत किया सपरिवार उनका पुष्पहारों से स्वागत वंदन किया। तथा शाम को विशाल कलश यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन उपस्थित रहे।इस मौके पर पूर्व विधायक संजय शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं से उपस्थिति की अपील करते हुए कहा है कि श्रीमद्भागवत कथा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं अपितु जीवन को धर्म भक्ति सदाचार एवं आध्यात्मिक चेतना से आलोकित करने वाला अमृतमय महोत्सव है। कथा श्रवण से मन को शांति जीवन में सुख-समृद्धि तथा प्रभु कृपा की अनुभूति प्राप्त होती है। सभी श्रद्धालुजनों धर्मप्रेमी बंधुओ एवं मातृशक्ति से विनम्र आग्रह है कि सपरिवार इस पुण्य अवसर पर पधारकर कथा रस का श्रवण करें एवं पुण्यलाभ अर्जित करें।कथा समय प्रतिदिन सायं 04 बजे से शाम 07 बजे तक 16 जून को भंडारा एवं महाप्रसादी के साथ समापन होगा।

आंधी में रोड किनारे लगे बांस सड़क पर गिरे आवागमन बाधित

गोटेगांव। देर शाम आई तेज आंधी और तूफान के कारण लाड़गांव रोड तिगरा के पास मुख्य सड़क किनारे लगे बांसों का झुरमुट उखड़कर सड़क पर गिर गया। अचानक सड़क पर बांस गिरने से राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि उस समय कोई वाहन या पैदल यात्री बांस की चपेट में नहीं आया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सड़क पर बांस गिरने से कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ दिन पूर्व ही इस मार्ग पर झूलते हुए बांसों को लेकर समाचार प्रकाशित किए गए थे और आशंका जताई गई थी कि वे कभी भी राहगीरों पर गिर सकते हैं। इसके बावजूद संबंधित विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। लोगों का कहना है कि समय रहते ध्यान दिया जाता तो यह स्थिति नहीं बनती। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि सड़क किनारे खतरनाक स्थिति में खड़े बांसों और अन्य पेड़ों को हटाकर संभावित दुर्घटनाओं को रोका जाए।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मी हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के विभिन्न थानों में पदस्थ पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विभिन्न थानों के 25 पुलिस कर्मचारी सम्मानित किए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस बल की कार्यकुशलता एवं निष्ठा ही कानून व्यवस्था की मजबूत आधारशिला है। ऐसे पुरस्कार कर्मियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।

स्वास्थ्य केंद्र से नदारत रहते हैं डॉक्टर

मरीज होते हैं परेशान

डोभी। एक तरफ जहां स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर शासन प्रशासन द्वारा समीक्षा बैठक लेकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ चांवरपाठा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले प्रतिष्ठित ग्राम डोभी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डाक्टर की नियमित उपस्थिति ना होने के कारण मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है। डोभी सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों के पीड़ित वर्ग का कहना है कि वैसे भी डोभी में संचालित इस स्वास्थ्य केंद्र में स्टाप की बहुत ही ज्यादा कमी बनीं हुई है और इसी बीच डाक्टर का ना आना मरीजों को परेशानी का कारण बन जाता है।

डोभी से लगे एक दर्जन से अधिक गांवों के लोग यहां पर आकर शासकीय अस्पताल में इलाज कराते हैं लेकिन डाक्टर ना होने के कारण यहां वहां लेकर जाने को मजबूर हो जाते हैं। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का कहना है कि ड्यूटी के मान से यहां पर डाक्टर को रहना बहुत ही जरूरी है और वरिष्ठ अधिकारियों को चाहिए कि इस दिशा में उचित कार्यवाही की जाये। व्यवस्था बनाई जाये।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जागरूकता शिविर का आयोजन

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में समुदाय की महिलाओं स्व-सहायता समूह की सदस्यों आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा कार्यकर्ताओं हेतु स्तन कैंसर सर्वाइकल कैंसर एचआईवी एवं एड्स तथा जेंडर आधारित हिंसा विषयों पर एक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 178 प्रतिभागियों जिनमें 166 महिलाओं ने सहभागिता दी।सभी प्रतिभागियों को मास्क सैनिटरी पैड एवं अल्पाहार वितरित किया गया। शिविर में बी एम ओ डॉ. राजकिशोर पटेल प्रभारी डॉ. दामोदर जाटव डॉ. श्रद्धा मिश्रा (स्त्री रोग विशेषज्ञ) श्रीमती राजेश्वरी मेहरा एवं शफीक कुरैशी सुपरवाइजर द्वारा स्तन कैंसर सर्वाइकल कैंसर एचआईवी एवं एड्स के लक्षण जांच उपचार एवं बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। जेंडर आधारित हिंसा विषय पर नरेंद्र शर्मा कस्तूरी कुशवाहा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम द्वारा जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। जिसमें महिलाओं के अधिकारों सुरक्षा उपायों तथा उपलब्ध सहायता एवं शिकायत निवारण तंत्र की जानकारी दी गई।शिविर के सफल आयोजन हेतु आवश्यक लॉजिस्टिक एवं व्यवस्थागत सहयोग जीआर टीसी की कंसेशनेयर टीम द्वारा प्रदान किया गया। जिससे कार्यक्रम का संचालन सुचारु रूप से संपन्न हुआ।

मारुति बैन में ले जा रहे थे सागौन

तेंदूखेड़ा। जिले की सीमा से लगे रायसेन और सागर जिले के जंगलों से अवैध रुप से कटाई जारी है और सागौन को नरसिंहपुर जिले की सीमा से ले जाकर अन्यत्र बेचा जा रहा है इस बात का जीता जागता उदाहरण है कि विगत दिनों वन परिक्षेत्र बरमान के अंतर्गत वन विभाग की टीम ने एक मारुति वैन एम पी 04 बी ए 2636 को ढिलवार ग्राम पंचायत के अंतर्गत पीपरवानी तिगड्डा से 14 नग सागौन के 0600 घन मीटर अवैध रूप से परिवहन करते हुए जब्त की है। लेकिन मारुति बैन चालक घनश्याम पिता भैरोंप्रसाद काछी वार्ड क्रमांक 08 तेंदूखेड़ा बाहन छोड़कर फरार हो गया जिसकी तलाश जारी है।

कोटवारी भूमि पर बना रहे आंगनबाड़ी

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस कोटवार संघ तहसील इकाई द्वारा तेंदूखेड़ा पुलिस थाने और तहसील कार्यालय में पहुंच कर एक ज्ञापन सौंपा गया है जिसमें उल्लेख किया गया है कि न्यायालय नायब तहसीलदार के अस्थाई स्थगन आदेश की अबहेलना करते हुए ग्राम कोटवारी भूमि पर सचिव ग्राम पंचायत बिजौरा के द्वारा जबरन अतिक्रमण कर आंगनबाडी भवन निर्माण किया जा रहा है। ग्राम पंचायत विजोरा के कोटवार प्रमोद मेहरा पिता नारायण प्रसाद मेहरा ग्राम बिजौरा के मूल निवासी हैं। ग्राम मौजा खैरी प080न0 35 10नि0 चॉवरपाठा तहसील तेंदूखेडा में स्थित भूमि ख०न0 63 रकवा 0.016 30 ख०न0 73,74 रकवा 3.582 हे0 एवं ख०न0 88/2,92 रकवा 0.656 10.656 0 0.186 0 भी कुल रकवा 5.625 0 भूमि राजस्व रिकार्ड कोटवारी सेवा भूमि में दर्ज है। ग्राम पंचायत बिजौरा के अन्तर्गत ग्राम मानकपुर बिजौरा बांसखेडा एवं खैरी के अन्तर्गत आते है। उक्त भूमि के खसरा न0 63 रकवा 0.01680 भूमि सचिव ग्राम पंचायत बिजौरा द्वारा अतिक्रमण कर आंगनबाडी भवन का निमार्ण कराया जा रहा है। उक्त संबंध में न्यायालय नायब तहसीलदार तेंदूखेडा को आवेदन दिया था उक्त भूमि पर हो रहे निमार्ण कार्य को प्रभाव रोकने हेतु अस्थाई स्थगन आदेश जारी किया गया था। इसके बाबजूद भी सचिव द्वारा उक्त आदेश की अबहेलना कर उक्त निमार्ण कार्य नही रोका गया है। तथा गाली गलौच कर रहा है एवं जान से मारने की धमकी दे रहा है।जिसकी तत्काल प्रभाव से जांच कर न्याय की गुहार लगाई गई है।इस मौके पर बड़ी संख्या में कोटवार उपस्थित थे।

नाम सुधार सूचना

मैं वासुदेव चौहान आ. श्री नरेन्द्र सिंह चौहान निवासी मोहद तहसील करेली जिला नरसिंहपुर म.प्र. शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मैं ग्राम मोहद तहसील करेली जिला नरसिंहपुर म.प्र. का मूल निवासी हूँ। मेरा जन्म दिनांक 12.09.2006 में डॉ. पराडकर नर्सिंग होम नरसिंहपुर में हुआ है। मेरे जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम वासु चौहान दर्ज है। मेरे समस्त दस्तावेज आधार कार्ड, पेन कार्ड, अंकसूची में मेरा नाम वासुदेव चौहान दर्ज है। मैं अपने जन्म प्रमाण पत्र में वासु चौहान की जगह वासुदेव चौहान दर्ज करवाना चाहता हूँ जिस हेतु यह शपथपत्र पेश कर रहा हूँ। शपथकर्ता